नवोदय टाइम्स

रविवार 14 जून, 2020

रविवारीय

अट्ठाइस पृष्ठों (कहानी) इस सप्ताह विशेष





नारी समस्याएं अब न होंगी

तेज प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का आयुर्वेदिक उपाय



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

पेटू में दर्द | नसों में सूजन | थकान | चिड़चिड़ापन | कमर दर्द | खून की कमी

आज इनमें से कोई भी समस्या है तो आज ही लें

सच्ची सहेली



जन्म तिथि : 23 अगस्त
जन्म स्थान : दिल्ली
कद : 5 फुट 7 इंच
वजन : 53 कि.ग्रा.
शिक्षा एवं : बुलेरीना (मुलभूत-बैलेरीना एवं जैज़ का मिश्रण)
शिक्षा प्रशिक्षण : रेनाटा वियर
मनपसंद खाना : अपनी दादाजी की बनाई, लस्सी
पीना : शराब नहीं
शिक्षा प्रशिक्षण स्थान : शिमला, दिल्ली
और टाइम फेवरेट फिल्म : 'तलाश'
शिक्षा : बैचलर इन ड्रामेटिक आर्टीज़

कैसे चुनूं किसी एक को : वाणी कपूर

वाणी ने 'शुद्ध देसी रोमांस' में खत लगाया सुशांत का तेल किन्तु ले वाणी 'बेफिक्रे' में खत लगाया लगाया एक ड्रैप वार्ड के तेल तें लगाए आई। वाणी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'वार' में गैरेज लगाया खत डालए एक उलाहा मनोरंजक अवतार एा।

20 जून को रिलीज़ 'शुद्ध देसी रोमांस' के फिल्मों में बतौर लड़की वाणी कपूर इससे पहले रोमांस में खत करते भी नज़र आयी थी यह एक सच नहीं लगता और उनसे दर्शकों का लगाव का कारण है। हालांकि, यहां बात ही रोमांस करने की कि वाणी ने अपने दर्शित कोरियर को सुलझाकर छोड़ नहीं दी बल्कि 'बेफिक्रे' रीलिज़ पर 12 ‘वें की थी। यह इसके 'सुशांत' साथ दूसरीबार में आहत रोल में नज़र आई थी जिसे अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया था।

वाणी ने 'शुद्ध देसी रोमांस' में उस जमय सुशांत का रोल किया तो वाणी 'बेफिक्रे' में यह लगाए खत एक ड्रैप वार्ड के तेल में नज़र आई। वाणी दसवान फिल्म 'वार' में रैप साथ का दौरा का उलाहा मनोरंजक अवतार था।

इसी से उसके फेवरेट कैरेक्टर के बारे में पूछने पर वह बताती है, "मैं एक फैसेलटी हिचकि फिर बताऊंगी, दरअसल दो-तीन कैरेक्टर्स हैं और उन पात्रों को निभा है। मैं नहीं चाहती कि मेरी वजह से फिल्म का कोई भी हिस्सा एक भी मुहूर्त बोरिंग हो।"

टैलेन्ट को दिया कलर जहां

अलग मोहन मैडिया का मकेश खरे वाणी कपूर को कई का टैलेन्ट का खत्म भी कलर देता है। दरअसल, यह हर्ट कलर अहम टैलेन्ट-आईडी ओ दीपक कलैंडर को वाणी कपूर का खत्म में फैलाने का कोल देती है।

खत से मैं इन्टरव्यू पर अपने फॉलोवर्स के साथ एक 'सवाल-जवाब' सेशन के दौरान वाणी से यह पूछा के दीपक वर्सेट के निर्देशन पहले जिसने अपने अनुभव सीखे हुए अनुभव भी बांटे।

वाणी ने इस दुआ की पांच में अहम रोल भी बखूबी अपनी उपस्थिति का एहसास दिया।

उन्होंने कहा, "अभिनय की खान में दुबारा से शुरू करने जिसमें मैं कुछ अच्छा करने की कोशिश कर सकूं। जिसमें बहुत बेहतर हो। मालूम था फिलहाल।"

वह मेरी पहली पाठशाला थी : रूप दुर्गापाल



अभिनेत्री रूप दुर्गापाल ने हाल ही में फेसबुक पर "महिला दिवस" से जुड़ा एक वीडियो साझा किया है। इसमें उन्होंने अपने बचपन के बारे में बात की है। उन्होंने बताया कि वह अपनी मां को कैसे देखती थीं और उनसे क्या सीखा। उन्होंने कहा कि उनकी मां ने उन्हें सिखाया कि कैसे वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकती हैं और कैसे वह अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि उनकी मां ने उन्हें सिखाया कि कैसे वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकती हैं और कैसे वह अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि उनकी मां ने उन्हें सिखाया कि कैसे वह अपने पैरों पर खड़ी हो सकती हैं और कैसे वह अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं।

पुरुषों के लिए गुणकारी

X-PLUS GOLD

EXTRA PREMIUM FORMULA

इन्सुफिशी बढ़ायें, ताकतवर बनायें, कमजोरी दूर करें

22 से 60 साल तक उपयोगी

artho-aid

फ्रीडा पिंटो बनी रानी की आवाज



फ्रीडा पिंटो ने एक ऑस्कर-नॉमिनेट 'नोन, पॉवर डिस्टिंक्शन' पर काम किया है जो फ्रांसीसी-कनाडाई और फ्रांसीसी-कनाडाई के अलावा पूरी नई है। कनाडा की सांस्कृतिक पुलिस पर बनी 20 एपिसोड सीरीज में पॉल की जिंदगी को कवर किया है। यह एक अच्छा टैलेन्ट है जिसमें अपने पूरा पहले अनुभव को भूमिका के लिए लिखूंगा किया था है। फ्रीडा ने इससे पहले कई सीरीज के किरदार को आवाज दी है। उसे लगता है कि एक जिसी एनिमेशन फिल्म के लिए अपनी आवाज देना बहुत अच्छा अनुभव है क्योंकि इसमें लिए आपको जिसीमिट करने समय जिसमें में पूरी तरह से काम का अपने पसंदे कैरेक्टरों को एक्सिक्यूट करना होता है।

फ्रीडा ने कहा, "एनिमेशन की दुनिया जिसमें लीड जिसीमिट्स से बहुत आगे है। आपकी जिसीमिट करने वाला काम पहले अपनी कल्पनाशक्ति को बहुतजीवंत जिसीमिट इसके साथ ही जिसमें में पूरी तरह से मजबूत के लिए आपको जिसी की तरह के एक्सपेरेंस से भी बहुत जिसमान होता है।"

सलमान : नहीं रह सका कैमरे से दूर



बॉलीवुड सुपर एक्टर सिकंदर अपने पहले डायल में लॉकडाउन शुरुआ था है यहां उसके साथ उसकी बहन अर्पिता खान, उसका बीवी, उसकी दोस्त कैटरीना कैफ और भतीजा पहाड़ियों पुलिस बहुत आदि भी यह गये हैं।

यहां भी वह फैंस से दूर नहीं रह सका और सिकंदर के जन्मदिन फैंस ट्विटर पर सुबह आधी से ज़्यादा ट्विटर ब्लॉक्स में सिर्फ सलमान के जन्मदिन की ही चर्चा थी। सलमान के फैंस को पहाड़ियों के बीच खान का अंदाज़ बहुत पसंद आया है।

फिर एक्शन में वैनेसा किर्बी



यह वर्ष जिसमें 'मदर ऐंड फादरलेस डॉटर्स', 'लॉस ऐंड वहां' में जबरदस्त एक्टिंग अवतार में नजर आई वैनेसा किर्बी को अगली जिसमें में सोनीपुर पुलिसवाला लीन कुश के चरम जिसमें 'जिसन इम्पॉसिबल 7' अहम रूप में शामिल है।

इस जिसमें में भी उनका एक्शन दिन होगा। इससे पहले 2018 में आई इसी सीरीज की जिसम 'जिसन इम्पॉसिबल : फॉलआउट' में भी यह एक्शन अवतार में ही नजर आई थीं।

अब खबर है कि 'जिसन इम्पॉसिबल 7' की शूटिंग जिसमान के लिए दो यूनिट को अगले। इसे अब 19 नवम्बर, 2021 को रिलीज करने की योजना है। यह भी बताया जा रहा है कि जिसम के लिए लीड कुश एक कॉलेज वालाए पुलिस गाय लिया करने जा रहा है जहां जिसम की शूटिंग वालाए। उसके लिए एक बीजन प्रशासनिक की उपस्थान करने की योजना है।

अनोखे 'टी-कप डॉग्स'

जिसने में जिसनीने जैसे लगने वाले 'टी-कप डॉग्स' को बड़ी मांग है जिसकी कीमत लाखों में है और उनको ये कई के हाईप्रोफाइल लाइफ है परंतु विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे छोटे कुत्तों का प्रजनन वास्तव में जानवरों पर अत्याचार के काम नहीं है।

पहाड़ी गधा में यह पालतू कुत्ते में पाया जाने वाला जिसका है कि जिसे आप पहाड़ या हिमालय पाया जाने है जानवर में यह जीवित, गांव गांव पहाड़ एक कुत्ता है।

'टी-कप डॉग्स' जिसे कुत्तों की एक नस्ल है जो एक 'टी-कप' जाती गांव के पहाड़े में फिट हो सकते हैं। ये आमतौर 2.5 पौंडीवाले आकार तक उपलब्ध ऐसे जिसमेंकार चलते होते हैं। लोगों लगा, छोटे इन कुत्तों ने ये बताने के ट्रेनरहुए और पैसेकमाए होते हैं।

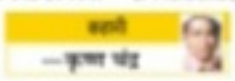
हालांकि, पालतू अधिकार कार्यकर्ता 'पोटेन जिसकार' जारी कर अवधारा जिसीमेंट के कारण ये पैसे जिसे जाने वाले इन पहाड़ कुत्तों के प्रजनन को लेकर आगाहकर जिसेंस है क्योंकि आमतौर पर ये आम जिसमेंसेस होते हैं जिसके नतीजतन ये बीमार हो जाते या खराब गहन है। इनको खरीदन के लिए अक्सर पक्षाते कानूनेन खिला पाले कुत्तों को चुना जाता है। इनकी ओर इसके कीमतें का कारण है कि ये दो तरह का नहान सकते हैं। इसके अलावा इनके खान में बहुत समय और पैसा लगता है। जिसी एक बहुत अहिंसक नहान होते जो आसानघायल होते हैं। इन्हें हर दो घंटे, दिन और रात को खिलाना पड़ता है।

जिस भी पुलिस पार के ट्रेनरों में इन कुत्तों के दीवानों की कमी नहीं है और इसकी आपूर्ति की पूरकता से गहन बहुत आहिंसक है।

हम तो मोहब्बत करेगा

कहानी

—कृष्ण पंकुज



सुबह से ही मुझे ये चीनी माल फ़ालतू में, मुंह चूसे और चूतड़ तिलवाए। अगर मेरे पीछे में खुजलाहट चूसे न दी तो मुझे हराम दीनता का अनुभव होता है और फिर मेरी बनात में खुजलाहट जीतन न बैठती हो तो मुझे अपने पहरे और को भी दुनिया अंधेरी सी मालूम होने लगती है।

लेकिन यह तो कोई कहनी नहीं कि जो चीज आसानी पहरे हो वह आसानी मिल भी जाए। दुनी का यह दुनिया है और मैं उसे दुनिया में फाक हूं और इसी फ़क्र में अपनी मामलती चीजन हासिल नहीं कर सकता।

लेकिन हालिब न करने पर भी पहरेदार तो अपनी जगह पर खाती है और इसके लिए मशहूर फ़ोलिया भी काफ़ी है और फिर फ़ोलिया मुझे एक बार फ़ोलिया की बहन गोपाल के घर ले गई। वह एक उच्चाधिकारी है। पहला वर्ष को आयु होने को आई लेकिन अभी तक शादी नहीं की, इसलिए इसका मुकाबला दूसरे पहरों में अधिकृतहरत औरतों के संपर्क में रहते हैं। मुझे इसकी रंगीन मिजाजी का पहरा फ़ोलिया को देखने का तड़ुर्बा भी है और मज़ा लिया भी है।

एक दिन मुलाक़ात को मैं दिल्ली करके उनके घर पहरा गया और उनसे अपनी जिंदगी बढ़ा डालने। उन्होंने मेरी पहरा से ऐसी बात सुनी और फिर चौंक-चौंककर बोलने, "मेरे खयाल से आपको ऐसा करना चाहिए।"

"सूने वे?"

"नहीं, जीतन से।" वह मुस्कराकर बोलने, "आपको किसी भी सूटर जीतन से ऐसा का तोल चाहिए।"

"पर इसमें चौंकने में तो ऐसी कोई जीतन नहीं है।"

"आप समझे नहीं।" फ़ाल गोपाल जी मुझे समझाते हुए बोलने, "जब आप किसी जीतन से ऐसा करने लगेंगे तो वही आपको सूटर लगने लगेंगे।"

"उफ़ इस इन सूर्ती का क्या होगा?"

वह बोलने, "उसकी चिंता न चौंकिएगा। जीतन के आने से मुझे खुद न खुद आ जाते हैं।"

वह बात भी ठीक थी, लेकिन आज तक किसी ने मुझे समझाई नहीं थी। अब फ़ाल गोपाल जी ने मुझे बताया तो मेरी समझ में आया और मैंने उनकी उपहार फ़ाल लिया। मुझे तो दिल मैंने कोई- नहीं मिलाई खलेरी, मेरे से मुलाक़ात होते ही वह कुछ कुछ उसके चालों में लहका बोलता, "आज से मुझे अपना शहीर्ष बस लीजिए और मुझे ऐसे चारा लिख दीजिए।"

मेरी मेरा समीकरण का फ़ाल गोपाल जी मेरे लिए एक कुशलपूर्वक हाल पेश कर बोलने, "बेटा, ऐसे भी एक पेशा है, जैसे लोहार का या मोटर मैकेनिक का। ऐसे भी एक पेशा है और प्रत्येक पेशा की दो ख़ासियत होती हैं—एक स्थिरता और दूसरी डिमांडलता। पिछड़ा तब एक व्यक्ति नहीं होती जब एक मनुष्य उसकी स्थिरता से लाभ ले और बाद में डिमांडलता बनाके उसे फ़ायदा न दे।"

"उदाहरण के तौर पर आपके पास आज हूं, पुलिस। मुझे ऐसे का ज़रा दीजिए।"

"सूनें।" फ़ाल गोपाल जी बड़ी गंभीरता से बोलने, "ऐसे करने की दो सावधानी है, एक तो यह कि आपके पास पिस्ट दो से ऐसे की मनुष्य नहीं कहिएगा अपने आप इस दो चाहते हैं, क्योंकि प्रत्येक सूटर सही सूटर चाहती हालां कि सभी सूटर चाहते हैं। आप आप सही को ऐसी पहचानने की पहरा चाहते हैं। आप आप सही को ऐसी पहचानने के लिए तो यह बहुत अच्छी आपकी हो जाएगी।"

"फ़ाल गोपाल जी।" मैंने बड़ी निराश के साथ कहा, "मैं एक गरीब आदमी हूं। यह ये ऐसे चूड़ी घर है, जीन चुकाने भारी हैं। स्थिरता सीमित्रों हैं, जिनके साथ मजे-मनोरंजन हैं—कुछ समझ में नहीं आता। एक साड़ी एक से खरीद नहीं सकता।"

उन्होंने चौंक-चौंक कर मेरा सिरमाथ और फिर बोलने, "तब से तुम्हारे लिए तुम्हारी हमबीस ठीक होगी।"

"यह क्या है?"

"इस खाकसार को परिभाषा में इसे बिल्ल पैसे का प्रेम कहा जाता है। लेकिन तुम्हारे लिए तो अच्छा की आवश्यकता है और खाक तबूलें करने वाले की जरूरत है।"

"मैं दिल-दार मेहनत करने के लिए तैयार हूं। आप हमबीस तो बताइए।"

"इस आकर्षक की महीनों पास में कि जिसकी सुंदर आसूलनें, सुंदर चरित्रों और सुंदर घरों के अलावा सुंदर साड़ी करने वाले, सुंदर स्वभाव रखने वाले चाहे चूड़ी को भी पसंद करती हैं। फिर यह तुम्हें खूब भी सुंदर हो तो क्या फ़ायदा। क्या मैं ऐसे हूं कि आपका खेलना पैसा, पेंचक के दाम, गंजक तिल और दिलचस्प कर इस जिसकिसी में आपके लिए सुंदर की कठिनाइयां पैदा कर दें।"

मैंने कहा, "मैं जिसमें दिलचस्प कर चाहे नहीं मैं इस खान को संदर चाहता आपका हमबीस से चाहता।"

जिसका भाग पीपाल आई सोचे काफ़ी खुश दिखा इस किसी पहरे जिसका में दूसरे दो। अब उन्होंने आँखें खोलीं तब उनके चेहरे पर मुस्कुराहट थूसे न दी थी। इसका होका बोले, "हालीब समझ में आ गई है, तो खाकार में आप फिर जिसका से प्रेम कर लीजिए।"

"यह जो कालेज में पढ़ती है और बेहद नखराला पहरेदार है?"

"जी हां। यह उनका चुनाव की प्रेमी है। यह पीपाल को इनका से इनका चुनाव्हाई प्रतियोगिता कराती है। इसको चाचाजी चुनाव है 'इसीना इन पीपाल'।

इस पर तो यह खान देती है। आप कल बाजार से चाही दौड़ लाइए, उसे आपसे समझ पर लगाइए और समझ को जेब में रख कर पहरे के चुनाव पर उनका ईनाका कीजिए। अब यह खानेब करने के लिए गाली से निकलने तो आप उसको साथ देखकर मुस्कराइए, हो सकता है यह न मुस्कराए, परंतु आप उसको समझ न कीजिए। कुछ कहना आगे चलकर आपके समझाव बेचने में निकाल कर जमीन पर गिर दीजिए। इस बार जिसका चौंक खुद गिरे है। अच्छा जिसका देख कर जिस जिसका पहरेदार आपका समझाव इस तीनों और चुनाव उसके गवाहों में पहुंचेगे।"

आप जरा दिलचस्पी आगे हो जाइए। ज्यादातर पहरेदार यह महिलाएं अक्सर आपसेदार होती हैं," अब आपको भी 'इंडियन इन पीपिल' पहरेदार है। इस पर खुशबूदार एवं यह व्यक्ति जिसकिसी और कपास को चुनाव की चाहते-चाहते पालकाश दिल की खुशबू इस पहरेदार।"

मेरे खुशी से उछलकर उनका हाथ पकड़कर चूमते हुए बोलना, "यह तरकीब बहुत अच्छी है। मैं कल ही इस पर अमल करूंगा।"

"और कल तक तो मुझे रिपोर्ट दे देना, जिस मैं तुम्हें आगे की तरकीब बताऊंगा।"

तुम्हारे दिल रहस्य को अब मैं फ़ाल गोपाल जी के घर पहुंचा, तो उन्होंने मेरी पीठ ही से अंदाजा लगा लिया कि कहीं कोई न कोई गड़बड़ है। मैं और आगे ही उन्होंने पूछा, "क्या हुआ? तुम्हारा चूल पर ये?"

"जी नहीं, चुनावबाज तो यह बात चाहूल नहीं बल्कि हुआ।" मैंने कहा, "कुछ दिनों पहले तुम्हें ने ही मुझे समझाया होगा कि ऐसे कल का चुनाव्हाई हुआ है तो मैं चाहता हूं।"

"जी हां, चुनावबाज तो यह बात चाहूल नहीं बल्कि हुआ।" फ़ाल गोपाल जी ने कहा, "लेकिन तुम्हें ऐसे क्यों लग रहा है कि तुम्हारा चूल पर ये?"

"यह जो कालेज में पढ़ती है और बेहद नखराला पहरेदार है।"

"जी हां। यह उनका चुनाव्हाई प्रेमी है। यह पीपाल को इनका से इनका चुनाव्हाई प्रतियोगिता कराती है। इसको चाचाजी चुनाव है 'इसीना इन पीपिल'।

इस पर तो यह खान देती है। आप कल बाजार से चाही दौड़ लाइए, उसे आपसे समझ पर लगाइए और समझ को जेब में रख कर पहरे के चुनाव पर उनका ईनाका कीजिए। अब यह खानेब करने के लिए गाली से निकलने तो आप उसको साथ देखकर मुस्कराइए, हो सकता है यह न मुस्कराए, परंतु आप उसको समझाव न कीजिए। कुछ कहना आगे चलकर आपके समझाव बेचने में निकाल कर जमीन पर गिर दीजिए। इस बार जिसका चौंक खुद गिरे है। अच्छा जिसका देख कर जिस जिसका पहरेदार आपका समझाव इस तीनों और चुनाव उसके गवाहों में पहुंचेगे।"



"और कल तक तो मुझे रिपोर्ट दे देना, जिस मैं तुम्हें आगे की तरकीब बताऊंगा।"

तुम्हारे दिल रहस्य को अब मैं फ़ाल गोपाल जी के घर पहुंचा, तो उन्होंने मेरी पीठ ही से अंदाजा लगा लिया कि कहीं कोई न कोई गड़बड़ है। मैं और आगे ही उन्होंने पूछा, "क्या हुआ? तुम्हारा चूल पर ये?"

"जी नहीं, चुनावबाज तो यह बात चाहूल नहीं बल्कि हुआ।" मैंने कहा, "कुछ दिनों पहले तुम्हें ने ही मुझे समझाया होगा कि ऐसे कल का चुनाव्हाई हुआ है तो मैं चाहता हूं।"

"जी हां, चुनावबाज तो यह बात चाहूल नहीं बल्कि हुआ।" फ़ाल गोपाल जी ने कहा, "लेकिन तुम्हें ऐसे क्यों लग रहा है कि तुम्हारा चूल पर ये?"

"यह जो कालेज में पढ़ती है और बेहद नखराला पहरेदार है।"

"जी हां। यह उनका चुनाव्हाई प्रेमी है। यह पीपाल को इनका से इनका चुनाव्हाई प्रतियोगिता कराती है। इसको चाचाजी चुनाव है 'इसीना इन पीपिल'।

इस पर तो यह खान देती है। आप कल बाजार से चाही दौड़ लाइए, उसे आपसे समझ पर लगाइए और समझ को जेब में रख कर पहरे के चुनाव पर उनका ईनाका कीजिए। अब यह खानेब करने के लिए गाली से निकलने तो आप उसको साथ देखकर मुस्कराइए, हो सकता है यह न मुस्कराए, परंतु आप उसको समझाव न कीजिए। कुछ कहना आगे चलकर आपके समझाव बेचने में निकाल कर जमीन पर गिर दीजिए। इस बार जिसका चौंक खुद गिरे है। अच्छा जिसका देख कर जिस जिसका पहरेदार आपका समझाव इस तीनों और चुनाव उसके गवाहों में पहुंचेगे।"

"सूनें, मैंने तुम्हें आगे जिसका करने को कहा था।"

"सुनिए तो, यह इतने दिन तक कहां उठाने रखी कि मुझे उसका दीजिए के लिए दिया और खाली 'आगे जिसका' में।"

"नहीं, मैंने तुम्हें आगे जिसका करने को कहा था।"

"सुनिए तो...उसके बाद उन्होंने मेरी कमजात को पल भर के लिए देखा और खाली से मुंह फाड़कर जोर से 'आगे जो गोरी खाली में पैक दिल।'

"दें? यह क्यों? तुमने खुशबू नहीं लगाई थी?"

"खुशबू से लगाई थी जनाब, लगा मैं समझ में ही खुशबू हूं और उसी से आकर्षित होकर आपका खाना बनाना शुरू। जिसके के हाल में मेरे कलाम तक गया था। उस पर उन्होंने मुझे 'गोरिया खुशबू-गेट, मुझे, भद्दामीन और 'जाने क्या-क्या कहा। मैं तो कहीं का न चला आया।"

महानेवेदना ने चाचा पीठ लिख, "मुझे क्या मालूम था कि तुम आगे मेरी कमजात में खुशबू लगाओगे। आगाही ही न लाहिब...खैर, अब क्या हो सकता है। जिस जिसका ही तुम्हारे दाल में नमक अब नहीं। अब तुम्हारी पत्नी उसने ऐसे नहीं का करेगी।"

मैंने इसके फिर कहा, "नहीं, ऐसा न कहिए। मुझे ऐसे कलाम लिख दीजिए।"

मुझे इस अंश निराशिपूर्ण देखकर उन्हें कलाम मेरे दाल पर तरस आ गया। अगले मुझे पर कलमुखता कहा, "ओह, कोई बात नहीं, अब मैं ऐसे करने की तरीके समझाव बताता हूं। इस समझाव को तुम्हें चाल ऐसे लिख देते हैं। तुम्हें खुशबूं का चालिस ऐसे लिख लगता है। तुम्हें ऐसे एक अच्छा कलाम करो जहां कोई औरत अकेली हो और सामने चूल्हें की लपटों जिसकी हो या अलावाव नहीं चूल हों। औरत बिल्कुल अकेली तथा अपने चाल में खोई हो। उस समय तुम चूल्हें की लपटों में एक चूल गोलूका उसके चाल से चालो और उसे बड़ी कोमलता से और चाहूल हो इनका तथा सावधि से पेश करा दो। चूल पेश करते समय कोई चूल का चक्कर करो। जैसे लोगिया चूल के लिए चूल हाजिर है। औरत समझेगी, चूल्हाजादी लोकिन अपना सुविधा समय अवश्य आएगा। उस समय मैं चाचा पर लिखेगी चौंका दुनिया खाड़ा का भाग भी आने वाहा से उसके और उसी-उसी नहीं भाग शुरू कर दें। उस समय तुम चूल्हें को लपटों से एक